



स्मार्ट सटिज़ि फेलोशपि (ISCF) तथा इंडिया स्मार्ट सटिज़ि इंटरनशपि (ISCI) कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

हाल ही में युवाओं को शहरी नवीकरण क्षेत्र में काम करने के लिये युवों को अवसर प्रदान करने हेतु स्मार्ट सटिज़ि फेलोशपि (ISCF) तथा इंडिया स्मार्ट सटिज़ि इंटरनशपि (ISCI) कार्यक्रम की घोषणा की गई है।

इंडिया स्मार्ट सटिज़ि फेलोशपि (India Smart Cities Fellowship -ISCF) कार्यक्रम :

उद्देश्य : इंडिया स्मार्ट सटिज़ि फेलोशपि (ISCF) कार्यक्रम का उद्देश्य इच्छुक युवाओं को विशेषकर स्मार्ट सटि और सामान्य रूप से शहरी नवीकरण क्षेत्र में मूल्यवान अनुभव प्रदान करना है।

प्रमुख बंदि

- यह कार्यक्रम महत्त्वपूर्ण शहरी समस्याओं के आधुनिक एवं व्यापक प्रभाव वाले समाधानों को क्रियान्वित करने के चुनौतीपूर्ण लेकिन रोमांचक कार्य में नए विचार, जुनून एवं ऊर्जा सुनिश्चित करेगा।
- यह कार्यक्रम युवा मार्गदर्शकों को तैयार करेगा, भारतीय शहरी क्षेत्र के बारे में उनकी समझ को मज़बूत करेगा और भविष्य में ज़्यादा बड़ी अग्रणी भूमिका निभाने के लिये उन्हें तैयार करेगा।
- आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय शहरी नियोजन, शहरी डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, शहरी गतिशीलता, वित्त, सामाजिक क्षेत्र और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों के क्षेत्र में 30 युवा स्नातकों/स्नातकोत्तर एवं पीएचडी वदियार्थियों की सेवाएँ 'स्मार्ट सटि फेलो' के रूप में लेगा।
- इनकी सेवाएँ लेने की अवधि एक साल होगी, जिसे बढ़ाकर तीन साल तक किया जा सकेगा।
- ये फेलो आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय में स्मार्ट सटि के मशिन नदिशक के कार्यालय और/अथवा चयनित स्मार्ट सटि के सीईओ को वश्लेषण, अनुसंधान, प्रलेखन, स्वतंत्र आकलन इत्यादि के क्षेत्र में आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

इंडिया स्मार्ट सटिज़ि इंटरनशपि (India Smart Cities Internship -ISCI) कार्यक्रम :

- आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय विभिन्न राज्यों/शहरों में स्मार्ट सटि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में मदद हेतु स्नातक पूर्व/स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री के लिये पढ़ाई कर रहे वदियार्थियों की सेवाएँ 'इंटरन' के रूप में लेगा।
- इंटरनशपि के दौरान 6 से 12 हफ्तों तक कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल समापन पर उन्हें अनुभव प्रमाण पत्र दिया जाएगा।
- इन इंटरन को स्मार्ट सटि मशिन के तहत विकास के अनेक क्षेत्रों में आवश्यक जानकारियाँ दी जाएंगी जिनमें शहरी नियोजन, शहरी डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, शहरी गतिशीलता, वित्त, सामाजिक क्षेत्र और पर्यावरण से जुड़े मुद्दे शामिल हैं।
- इंटरन स्मार्ट सटि मशिन का हसिसा होंगे और उन्हें मुख्यतः क्रियान्वयन/रिपोर्टिंग/आकलन एवं नगिरानी/ज्ञान प्रबंधन/हतिधारक सहभागिता/मीडिया तक पहुँच एवं इसी तरह की अन्य गतिविधियाँ आदि कार्य जो कमिशन नदिशक (स्मार्ट सटि मशिन) द्वारा उन्हें सौंपे जाएंगे।